RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 36 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 12 फरवरी 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

भबर्‌योव में फंसे हल्द्वानी में बुल्डोजर

बदल जाएगा बाजार का पूरा नक्शा

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई में सड़क पर बुल्डोजर रैंगता दिखाई दे रहा है। मुख्य सड़कों पर सड़क तक फैले भवनों, झज्जों को जेसीबी का पंजा 'कपोर' रहा है। गुजार लगा रहे व्यापारी इतना समझ चुके हैं कि कोई बचने वाला नहीं है। ऐसे में उन्होंने सीएम के पास गुहार लगाई तो एक मीटर तक छूट मिल गई थी लेकिन अतिक्रमण हटाओ अभियान में दो-चार मीटर तक क्या मायने रखता है? असल में भबर्‌योव में फंसे हल्द्वानी में ऐसा तो होना ही था। जरूरत से ज्यादा जमघट हमेशा छलकता है। वही इस शहर में हुआ है। सड़कों तक फैलती दुकानों और घिरते फुटपाथों, घेर ली गई नालियों-नालों को उधेड़ने के लिये सख्ती कभी तो होनी ही थी।

सवाल रोजी-रोटी का है तो व्यापारियों का पक्ष भी सुना जाना चाहिये। प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल के अनुभवी और समाजसेवी नेताओं ने शुरु से ही कहा है कि अतिक्रमण के नाम पर की जा हलचल से पहले शहर के बीचोंबीच बने बस अड्डे को बाहर किया जाए, तहसील के पुराने भवन की जगह बहुउद्देश्यीय भवन व पार्किंग सुविधा बने लेकिन इनकी सुनवाई कहाँ हो रही है? फिलहाल तो जारी फरमान और व्यापारियों के गुस्सा दो ही पक्ष कौतिब बने हुए हैं।

मुख्य शहर के हालात देख कई पुराने रहवासी पहले ही दूसरी जगह जा चुके हैं क्योंकि सड़क चौड़ीकरण हो या रिंग रोड जैसे सपने हों, उसमें पुराने ढर्रे से बात-व्यवहार नहीं होगा। कारोबार के स्थान बदल जाएंगे, कार्यस्थल बदल जाएंगे। काठगोदाम से लेकर तीनपानी तक जिस प्रकार खुदान-तुड़ान-लदान चल रहा है उसे देख यह साफ लगने लगा है कि अब नई भबर्‌योव होगी, दांए बांए बसने वालों पर नज़र रखनी होगी।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार

देहरादून। जिलों की सरकारी जमीनों पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण के लिये उस स्थान का जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। जिलों के स्तर से मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से परिसम्पत्तियों का सीमांकन किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने सरकारी जमीनों के अतिक्रमण पर सख्त निर्देश दिये हैं। बैठक में सचिव ने जिलाधिकारी अपने जिलों में अतिक्रमण चिन्हित कर कार्रवाई करें। सचिव के आदेश के बाद प्रदेश में कार्रवाई तेज हो चुकी है।

मलिक के बगीचे को बना दिया मैदान

हल्द्वानी। नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बनभूलपुरा क्षेत्र में मलिक के बगीचे से अतिक्रमण हटाते हुए मैदान बना दिया। नगर आयुक्त ने कहा कि सरकारी जमीन खरीदने और बेचने वाले जेल जाएंगे। बगीचे में कब्जेदार ने बताया कि स्टाम्प पर लिखवाकर जमीन ली दी। इस प्रकार के मामलों में पता चल रहा है कि राजनीतिक सरंक्षण में दबंगता पर रहने वाले अतिक्रमण कर भूमि बेचने में भी सक्रिय रहे हैं।

नजाकत का बगीचा पर निगम ने की तारबाड़

हल्द्वानी। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में राजपुरा स्थित नजाकत के बगीचे पर कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने तारबाड़ कर दी है। इस जमीन पर कब्जेदार जब विरोध करने लगे तो उन्हें फ्रीहोल्ड के कागज दिखाने को कहा गया। कागज नहीं दिखा पाने के बाद निगम ने जमीन को चारों ओर से तारबाड़ कर दिया। इस जगह पर मजार भी मिली, जिसे अवैध निर्माण माना जा रहा है। विरोध करने वालों ने मामला कोर्ट में चलने की बात भी कही।

मस्जिद-मदरसा बचाने को किया प्रदर्शन

हल्द्वानी। मलिक का बगीचा में नगर निगम ने मस्जिद और मदरसा को ध्वस्त करने का आदेश जैसे ही जारी किया नाराज अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने जमीयत उलेमा हिन्द संगठन के बैनर तले सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय में धरना दिया। कहा कि हल्द्वानी की 75 प्रतिशत बसावट नजूल पर है। प्रशासन के पास फ्री होल्ड के नाम पर केवल ढुलमुल नीति है। इसके बाद भारी पुलिस बल के साथ मदरसा और मजिस्जद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इस बीच अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष मजहर नईम का बयान भी आया कि आयोग मदरसों में रामयण पढ़ाने के पक्ष में है। सभी को रामायण पढ़नी चाहिये।

जवाहर नगर की जैम फैक्ट्री भी ध्वस्त की गई

हल्द्वानी। नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम ने राजपुरा के जवाहर नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में भारी पुलिस बल के साथ जैम फैक्ट्री को ध्वस्त किया। बताया गया कि यहाँ लोगों ने कब्जा कर अवैध भवन बना लिए थे। अधिकारियों के अनुसार पूर्व में जितनी जमीन लीज पर दी गई थी। कब्जे में ली गई जमीन उतनी नहीं है। इसकी जाँच की जाएगी कि बांकी जमीन पर कहाँ कब्जेदार हैं। नगर आयुक्त का कहना है कि यह भूमि पहले लीज पर ली गई थी। बाद में लीज समाप्त हो गई और जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था। इसे खाली करवा दिया गया है। किसी प्रकार का अतिक्रमण हटेगा।

'शक्ति प्रेस' हल्द्वानी के इतिहास में प्रमुख गढ़ रहा है

डॉ. पंकज उप्रेती

'शक्ति प्रेस' छापाखाना हल्द्वानी के इतिहास में हमेशा दर्ज रहेगा। भाबर का यह छापाखाना कई आन्दोलनों का गढ़ रहा है। 'पिघलता हिमालय' का मुद्रण सहित कई दस्तावेजों को मुद्रण इसमें हुआ। हल्द्वानी के कालाढूंगी रोड स्थित ऐशबाग मोहल्ले में 1969 में शुरू हुआ 'शक्ति प्रेस' अब जे.के.पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी में शिफ्ट हो चुका है। कालाढूंगी रोड की हालत और जर्जर भवन को देखते हुए पिघलता हिमालय परिवार ने इसे दो साल पहले ही शिफ्ट करने की तैयारी कर ली थी।

कथाकार-पत्रकार स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती ने कालाढूंगी रोड में जब छापाखाना खोला था, बुद्धिजीवियों का एक केन्द्र यह बन चुका था। शहर के जन आन्दोलनों से लेकर राज्य आन्दोलन तक तक में आन्दोलनकारियों का मुख्य अड्डा यही हुआ करता था। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच हल्द्वानी का आरम्भिक कार्यालय भी यही था जब महामंत्री के रूप में आनन्द बल्लभ उप्रेती थे। सभी राजीतिक पार्टियों के लोगों के अलावा शिक्षत व श्रमिक जनों का यह ऐसा अड्डा था जहाँ दिन-रात ताला नहीं लगा।

'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' पुस्तक में स्व. उप्रेती ने लिखा है- ''1969 में जब मैंने शक्ति प्रेस नाम से कालाढूंगी रोड पर अपना मुद्रण संस्थान खोला था कुछ समय के लिये मुझे लेखन व पत्रकारिता से हट कर अपने व्यवसाय को स्थापित करने में समय लगाना पड़ा। मुद्रण सम्बन्धी तत्कालीन सारी तकनीकों को भी मैंने सीखा ताकि कारीगरों के ही भरोसे न रह जाऊँ। यह दौर भी मेरे संघर्षों का दौर था। इस दौर में वर्तमान में जगदम्बा नगर निवासी एन.सी.तिवारी ने एक सच्चे सहयोगी की तरह मेरा साथ दिया। तब हल्द्वानी में कागज की कोई दुकान नहीं हुआ करती थी। श्री तिवारी ने सिरपुर पेपर मिल की एजेंसी लेकर यहाँ कागज की दुकान खोली और कापियाँ बनाने का काम भी शुरू किया। मैंने दिल्ली जाकर रूलिंग का कार्य भी सीखा और एन.सी. तिवारी जी के साथ कापियाँ बनाने में सहयोगी की तरह लगा रहा। हम दोनों इस काम में एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते थे।''

27 जनवरी 2024 को हमारा 'शक्ति प्रेस' जे.के.पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी हल्द्वानी में शिफ्ट हो चुका है। ऐसे में यादों की अनगिनत लहरें मस्तिष्क में हैं। कालाढूंगी रोड में ऐशबाग सुन्दर सा मोहल्ला था, जिसमें पर्वतीय समाज के कुछ परिवार रहते थे। यहीं पर पिता जी ने जगह लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर दिया था। वह बताते थे जब 'शक्ति प्रेस' शुरू हुआ और ट्रेडिल मशीन में छपाई आरम्भ हुई उसे देखने के लिये भीड़ जुट जाती थी। उस समय के शिक्षत बेरोजगारों से लेकर तमाम प्रकार के साथी भी यहाँ आने लगे। शहर में गिने हुए मात्र चार छापेखाने थे। आरम्भ में खुला बरामदा और अन्दर एक कक्ष था, उसके बाद लकड़ी के बड़े-बड़े टाल और ठेकेदारों की आवत-जावत। बाद में जरूरत

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नए मुखिया से अपेक्षाएं

उत्तराखण्ड की मुख्य सचिव के रूप में वरिष्ठ महिला आईएएस राधा रतूड़ी का पदभार ग्रहण करना इस प्रदेश के लिये कई शुभ माना जा रहा है। राज्य की संस्कृति, भूगोल से भिज्ञ नई मुख्य सचिव को समयबद्ध एजेंडे के साथ आगे बढ़ना होगा।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीमती रतूड़ी जिन्होंने अपर सचिव मुख्यमंत्री का दायित्व देखा है, वह राज्य के सर्वोच्च पद पर पहुँचने वाली पहली महिला आईएएस होने का गौरव प्राप्त कर रही हैं। संयोग है कि राधा रतूड़ी अविभाजित उत्तर प्रदेश में कार्यरत रहीं और उत्तराखण्ड बनने के बाद निरन्तर विभिन्न पदों पर आसीन रही हैं। वह पहाड़ के इतिहास, भूगोल, संस्कृति से भली भांति परिचित हैं। ऐसे में उनसे अपेक्षाएं भी अधिक हैं।

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस राज्य में विकास योजनाओं को गति देना, उनकी निगरानी करना उनका महती दायित्व है। अभी उनके सामने आगामी लोकसभा चुनाव को निर्विघ्न सम्पन्न कराना चुनौती है। अपने अनुभव और पारदर्शिता के चलते उन्हें इस मिशन पर कोई दिक्कत नहीं होनी है। लेकिन उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर उन्हें नया अध्याय लिखना ही चाहिये। इसके अलावा जन समस्याओं को जानते हुए उनका निदान व सम्वाद की उपेक्षा भी सबको है।

एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में राधा रतूड़ी की जो छवि चारों ओर है, उससे खास ही नहीं आम जन भी अपेक्षा चाहता है। पृथक पर्वतीय राज्य बनने के जो सपने थे, उसमें राजनीतिक पक्ष चाहे जैसा रहा हो, सूझबूझ वाले अधिकारियों पर भरोसा तो किया ही जा सकता है। राधा रतूड़ी मैडम सीएम पुष्कर सिंह धामी की भी विश्वासपात्रों में गिनी जाती रही हैं। ऐसे में उनसे यह भी अपेक्षा है कि राजनीति की धारा चाहे जैसी चल रही हो, प्रदेश के विकास में वह न्याय दिलवाएंगी। सरकार के एजेंडे के साथ प्रदेश की स्थिति परिस्थिति देखते हुए वह न्यायसंगत बातें होंगी जिसे हमेशा याद किया जाएगा। आर.एस.टोलिया, नृपसिंह नपलच्याल जैसे वरिष्ठ अधिकारियों की धारा को बढ़ाना अब राधा रतूड़ी के हाथ में है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

नोबेल पुरस्कार सम्मनित यूनुस को जमानत

बंग्लादेश की अदालत ने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मुहम्मद युनुस को जमानत दी है। इसके साथ अदालत उनकी सजा के खिलाफ दायर अपील पर भी सुनवाई के लिए सहमत हो गई है। युनुस को देश के श्रम कानूनों का उल्लंघन करने के लिये छह माह की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका तुर्की को देगा एफ-६ लड़ाकू विमान

अमेरिका ने तुर्की को एफ-16 लड़ाकू जेट की बिक्री को मंजूरी दी है। तुर्की की संसद द्वारा स्वीडन की नाटो की सदस्यता को मंजूरी देने के बाद अमेरिका ने इस देश को एफ-16 लड़ाकू विमान की बिक्री की मंजूरी दी है।

डा.जयन्ती लाल गोल्डन बुक में प्रतिष्ठित

देश के ख्यातिप्राप्त अर्थशास्त्री डॉ.जयन्तीलाल भण्डारी के द्वारा जनवरी 1991 से जनवरी 2024 तक लगातार 23 वर्षों में आर्थिक, वित्तीय और रोजगार विषयों पर लिखे गए 3300 से अधिक आलेखों के समाचार पत्रों में प्रकाशन का वैश्विक रिकार्ड सुनिश्चित करते हुए उनका नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाडर्स में प्रतिष्ठित किया गया है।

एंसिएंट हाउस कहानियां लोगों तक पहुँचाएगा

पंजाब के अन्तिम सिख सम्राट के बेटे द्वारा इंग्लैण्ड में स्थापित संग्रहालय को लगभग 2 पाउण्ड का अनुदान मिला है। इस अनुदान का उपयोग सिख सम्राट के परिवार की कहानी लोगों तक पहुँचाने के लिये किया जायेगा। प्रिंस फ्रेडरिक दलीप सिंह ने 1924 में नॅरफॉक के दक्षिण में थेटफोर्ड शहर के लोगों को एंसिएंट हाउस म्यूजियम उपहार में दिया था।

ज्ञापव्यापी के तहखाने में पूजा की अनुमति

वाराणसी। ज्ञानव्यापी परिसर में तहखाने में व्यासजी के तहखाने में कोर्ट ने तीन साल बाद हिन्दू पक्ष को पूजा-पाठ करने की इजाजत दी। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट बोर्ड के पुजारी से तहखाने में स्थित मूर्तियों की पूजा और राग-भोग कराने का आदेश दिया।

जब्त हथियारों को आईडीएफ ने नष्ट किया

इजराइली सेना लगातार गाजा पर बमबारी कर रही है। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के हथियारों के भूमिगत ठिकाने को इजराइली सेना ने तबाह कर दिया है। यह हथियार संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी से जुड़ी बोरियों में छिपाए गए थे। आईडीएफ ने मामले में जुड़े बयान में कहा कि बोरियों के अन्दर रॉकेट, टैंकरोधी मिसाइलें, खदाने और विस्फोट सामग्री को छिपाया गया था।

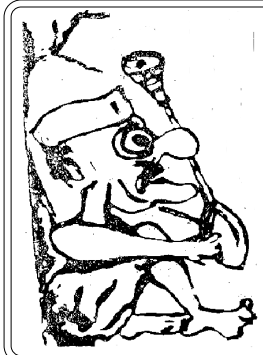

फसक

दाज्यू, चुनाव आते ही श्वेराश्वेर होने वाली ठैरी

पार्टी प्रत्याशी बनने को मन डोलता रहता है बल

दाज्यू, चुनाव से पहले अन्तरिम बजट को मोदी ज्यू निरन्तरता का विश्वास बता रहे हैं। हमें क्या पता बजट का.....नमक-तेल साबुन-आटा-चावल सबको मिलना चाहिये। जुवा नेता बिल्लू भी आम बजट पर भाषण दे रहा है। मुरली और राधा का बयान भी अखबार में छप गया। पता नहीं क्या होने वाला है? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दुष्यन्त गौतम की जुबान फिर से फिसल गई बल। उन्होंने इंडी गठबन्धन के घटक दलों को कुत्तों के झुण्ड कह डाला।

हमारे घनदा नई जेसीबी ले आए हैं, चार दिनों तक जंगल के पास जश्न मनाया गया। पूर्व प्रधान से लेकर दूसरे शहर के जुवा नेता भी आए थे। अब लोक सभा चुनाव में लाइन से लाइन मिलाने की बात भी कर रह थे। दाज्यू, सब कुछ लाइन मिलाने का ही तो काम चल रहा है। चुनाव आते ही श्वेराश्वेर होने वाली ठैरी। झुग्गी-झोपड़ी लोगों के लिये यह सब जरूरी होता है बल क्योंकि और समय उनकी कोई सुनने नहीं आता। वोट के लिये आने वालों से जो प्रसाद मिले वही ठीक हुआ।

दाज्यू, बुद्धिबल्लभ टिकट के लिये दिल्ली तक चार बार चक्कर लगा चुके हैं। कह रहे थे- 'इस बार टिकट नहीं मिला तो फुल्लम-फुल्ल खनन का काम करूंगा।' दाज्यू, पार्टी प्रत्याशी बनने को मन डोलता रहता है बल। किस्मत अपनी अपनी ठैरी। सीएम धामी को देखो, कितने रोड शो कर डाले हैं। 'ब्वै, ब्वारी, नौनी कौथिग' में महाप्रसाद बनाया। उन्हें बचपन पूरा याद आ रहा है। कह रहे हैं- 'त्यौहारों के समय माता के साथ सिलबट्टे पर नमक पीसना, आटा गूंथने से लेकर घास काटने तक में हाथ्ज्ञ बटाते थे।'

दाज्यू, धामी ज्यू ठीक ही कह रहे हैं। बचपन तो अपना भी ऐसा ही बीता। आजकल के बिगड़ैल, चाउमिल-मोमो, चिकन सूप के लिये बाजार में लपलाने वाले ठैरे। सबकी अपनी श्वेराश्वेर हुई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। वह कह रहे थे- 'टीवी खोलें तो लगता है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विष्णु के 11वें अवतार बनने निकले हैं।'

दाज्यू, टनकपुर व्यापार मण्डल अध्यक्ष और महामंत्री पर 25 हजार का जुर्माना लगाया गया। आरोप था व्यापार मण्डल के खाते से पैसे निकाले जिसका हिसाब नहीं मिल रहा था। दाज्यू, संजायत का काम ठैरा। अल्मोड़ा जिला मुख्यालय के धारानौला में टैक्सी यूनियन के गठन को लेकर लफड़ा चल रहा है बल। एसएसपी से भेंट कर फार्जी टैक्सी यूनियन बनाने का आरोप भी लगाया गया।

मोदी ज्यू ने परीक्षा पर चर्चा करते हुए बच्चों को तनाव से दूर रहने की बात कर दी। घोर कलजुग चल रहा है, बच्चे कैसे तनाव मुक्त होंगे? चम्पावत के एक गाँव में किशोरी से रेप हो गया। बालिका ने बच्चे को जन्म दिया तो पिता का आरोप है कि बड़े भाई ने ही यह काम किया। पुलिस ने धाराएं लगाई हैं। हल्द्वानी रोडवेज बस अड्डे के पास एक होटल से दो लड़कियों को हरियाणा पुलिस अपने साथ ले गई। ये दोनों बालिकाएं हरियाणा से गायब थी बल। लाउडस्पीकर में गाना बज रहा था- 'मेरे झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे' तभी काशीपुर में पुलिस ने नकली दवा फैक्ट्री का भण्डाफोड़ कर डाला। रुद्रपुर में भी ढेड़ किलो चरस के साथ तस्कर दबोचे हैं बल। मैदान से पहाड़ को स्मैक सारने वाले भी लगे पड़े हैं। इस बीच बागेश्वर में पुलिस ने 14 ग्राम स्मैक के साथ एक पकड़ लिया।

चुनाव नजदीक आते ही अपने हरदा का परिवार प्रेम जाग चुका है। हरदा चाहते हैं उनके पुत्र को हरिद्वार से टिकट मिले। दाज्यू, हरदा ने अपने मन की बात हल्द्वानी में प्रेस से की। दाज्यू, अब क्या कहें? प्रदेश कांग्रेस की रजाई धुनने में कितने लोग शामिल थे.....। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी मेडिकल कालेज में पार्किंग के ठेके को लेकर मारपीट हुई बल। श्वेराश्वेर के लिये लफ्फड़बाजी भी होने वाली ठैरी।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

नफरत के खिलाफ चलेगा अभियान

जगमोहन रौतेला

हल्द्वानी। जनसरोकारों के मुद्दों पर बातचीत करने और उन पर रणनीति बनाने के लिए 'नफरत नहीं, रोजगार दो' अभियान के कोर कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में 'नशा नहीं, रोजगार दो' आन्दोलन को याद करते हुए जनता की समस्याओं के लगातार संघर्ष को रेखांकित किया गया। बैठक में राज्य की अनेक जनसमस्याओं पर चर्चा हुई जिसमें प्रदेश में कानून के राज में कोताही, वनाधिकार और अस्थाई बस्तियों के मालिककाना हक् के सवाल, महिला सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं की कमी, पूंजीपतियों को जमीन लूटने की खुली छूट आदि मुद्दों पर बातचीत की गई। बैठक में कोर कमेटी का मानना था कि कानून का राज और संवैधानिक मूल्यों का लगातार हनन हो रहा है। सरकार के कार्यक्रमों में एक समुदाय की आबादी और बस्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। धर्म के नाम पर करती संगठन अपराधिक अभियान चल रहे हैं और सरकार मुकदर्शक बन कर बैठी है। बैठक में इस बात की निन्दा की गई। वन अधिकार कानून, मजदूर बस्तियों में मालिकाना हक और और आश्रय का अधिकार के लिए बनी हुई नीतियों और नजूल भूमि को मालिकाना हक देने की नीति पर अमल न कर सरकार लगातार अतिक्रमण के नाम पर लोगों पर हमला कर रही है। साथ साथ में बड़े कार्पोरेट घरानों को राज्य की सरकारी जमीन, प्राकृतिक संसाधन दिए जा रहे हैं।

वनों पर वन अधिकार कानून के अनुसार, जनहित नीति बनाने के बजाय सरकार परियोजनाओं, जंगली जानवरों के हमलों से हो रहे नुकसान को नजर अंदाज कर जन विरोधी कदम लगातार उठा रही है। वन पशुओं के शिकार मनुष्यों की संख्या और उनसे हो रहा नुकसान लगातार बढ़ रहा है, न तो इस बारे में वन विभाग उचित प्रबंध कर रहा है और न पर्याप्त मुआवजा की नीति ही बनी है। और जो नीति है वो भी ढंग से लागू नहीं हो पा रही है। महिला सुरक्षा और महिलाओं के बुनियादी हकों पर सरकार जन विरोधी कदम ही उठा रही है। लोगों को राहत देने के बजाय कल्याणकारी योजनाओं में लगातार भ्रष्टाचार, लोगों को वंचित करने की प्रक्रिया दिखाई दे रही है। इनको सुधारने के बजाय सरकार बड़ी पूंजीपति के हित में नीतियां बना कर उनको अरबों को सब्सिडी देने के लिए पालिसी बना रही है। ऐसी नीतियां बनने से स्वाभाविक बात है कि रोजगार नहीं होगा और गरीबी एवं गैर बराबरी बढ़ती रहेगी। इन सारे मुद्दों पर प्रदेश भर हो रहे आन्दोलनों के साथ मिल कर आगे और तेज अभियान चलाने का निर्णय हुआ है। इन मुद्दों पर तिलाड़ी विद्रोह की वर्षगाठ 30 मई को राज्य भर में आन्दोलन करने का ऐलान हुआ है। बैठक में समाजवादी लोकमंच के मुनीश कुमार, वन पंचायत संघर्ष मोर्चा के तरुण जोशी, हेमा जोशी, चेतना आन्दोलन के शंकर गोपाल, विनोद बडोनी, उपपा के नरेश नौडियाल, सर्वोदय मंडल के इस्लाम हुसैन, भूमि अधिकार मंच की हीरा जंगपांगी रौतेला, किसान संघर्ष समिति के ललित उप्रेती, उलोवा के राजीव लोचन साह, और श्रमयोग के शंकर बरथवाल शामिल रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

खेती-किसानी

ब्रिटिश काल में सीमान्त में व्यापक रूप से गन्ने का उत्पादन होता था

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड के उधमसिंह नगर, हरिद्वार, नैनीताल जैसे जिलों में गन्ने की खेती होती है, लेकिन कम लोगों को ही पता होगा कि यहाँ के पर्वतीय जिले पिथौरागढ़ के कई ब्लाकों में बरसों से गन्ने की खेती हो रही है। फिर भी इसका नाम गन्ना उत्पादक जिलों में नहीं आता है। उम्मीद है अब एक किसान के प्रयास से अब इसका नाम भी गन्ना उत्पादक जिलों में दर्ज हो जाएगा।

पिथौरागढ़ के कई गाँवों में बहुत सालों से जैविक विधि से गन्ने की खेती होती आ रही है, लेकिन सही बाजार न मिलने और खाली होते गाँवों की वजह से गन्ने की खेती का रकबा भी कम होता गया। नैनीताल जिले के हलद्वानी ब्लाक के मल्लादेवला गाँव के किसान नरेन्द्र मेहरा को जब पिथौरागढ़ में गन्ने की खेती के बारे में पता चला तो उन्होंने गन्ना विभाग की मदद से एक बार फिर यहाँ पर गन्ने की एक नए सिरे से शुरू करने की कोशिश की है। नरेन्द्र मेहरा बताते हैं, 'जब मुझे पिथौरागढ़ में हो रही गन्ने की खेती के बारे में पता चला तो मैंने कई किसानों पता करने की कोशिश की यहाँ पर किसान कैसे खेती कर रहे हैं। तब मैंने गन्ना विकास विभाग के अधिकारियों को गन्ने की खेती के बारे में बताया। किसान पुराने परम्परागत तरीके से गन्ने का गुड़ बनाते हैं, वह बताते हैं, वहाँ पर एक-डेढ़ किलो की एक भेली बनती है, इतिहास गवाह है कि कितने रियासते गुड़ के लिए बिक गईं, मैं एक गाँव गई तो लोगों ने बताया कि सामने गाँव देख रहीं हैं, ये एक भेली गुड़ के लिए बिक गई थी। अभी वहाँ के किसानों को और जानकारी देने की जरूरत है, इसीलिए उन्हें गन्ने की नई किस्म का बीज भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कनालीछीना ब्लाक के मलान गाँव के रहने वाले हैं, उत्तराखण्ड के तमाम दूसरे लोगों की तरह वो भी बेहतर जिन्दगी की तलाश में मुम्बई चले गए, लेकिन साल 2014 में गाँव वापस आ गए। जय प्रकाश बताते हैं, 'पिछले सात-आठ साल पहले से गन्ने की खेती शुरू की है, हम पुरानी किस्मों की खेती करते आ रहे हैं। खेती करते हुए हमारा परिचय नैनिताल के जैविक किसान नरेन्द्र मेहरा से हुआ, फिर डॉ. रीना नौलिया को यहाँ पर भेजा उन्होंने यहाँ पर जानकारी इकट्ठा की। डुन्डू गाँव निवासी पूर्व सूबेदार सुन्दर सिंह अन्ना बिष्ट की पहल पर डेब्यू, मलान, कानाधार समेत सात ग्राम पंचायतों में उन्नत किश्म के गन्ने का उत्पादन पिछले कुछ वर्षों से किया जा रहा है।

सेना से लौटते ही सुन्दर सिंह ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ स्थानीय कृषि और पशुपालन को बढ़ाने का अभियान संचालित कर दिया। इस अभियान में पूर्व सैनिक कैप्टन लालसिंह मेहता, कैप्टन जोगा सिंह रावल, सूबेदार केशवदत्त मखौलिया, काश्तकार भूपेन्द्र सिंह बोरा आदि का सहयोग मिला इस टीम ने सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर कृषि, बागवानी विशेषज्ञों की सहायता ली और ग्रामीणों को आजीविका सुधार हेतु प्रोत्साहित किया। नतीजतन जिला प्रशासन ने डुन्डू गाँव में 15 लाख रुपए मूल्य की गुड़ निर्माण इकाई स्वीकृत कर दी। इस अवसर पर क्षेत्र प्रमुख सुनीता महिमन कन्याल ने कनालीछीना विकासखण्ड के गाँवों में गन्ना उत्पादन और विपणन के लिए हरसम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गन्ने की खेती को बन्दर, सेही, सुअर नुकसान नहीं करता और यह बहुउपयोगी, लाभकारी खेती है। प्रेरक सुन्दर सिंह अन्ना ने बताया कि क्षेत्र के बारह सौ परिवार गन्ना उत्पादन के जरिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। अतीत में भी जिले के सभी गाँवों में गन्ने का उत्पादन होता था। ग्रामीण सीमित मात्र में गन्ने का गुड़ बनाते थे। अभी भी कुछ गाँवों में गन्ने की सीमित खेती की जाती है। इधर एक बार फिर गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग सीमान्त में गन्ने की खेती को प्रश्रय दे रहा है। यदि यह प्रयास सफल होता है तो आने वाले वर्षों में सीमान्त में भी गन्ने फसल लहलहाएगी और पहाड़ के लोगों को भी गन्ने का जूस पीने को मिलेगा। वहीं गुड़ एवं उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के आसार हैं। इस संबंध में जब उन्होंने पिथौरागढ़ के काश्तकारों से संपर्क किया तो पता चला कि बिट्रिश काल में यहाँ पर व्यापक रूप से गन्ने का उत्पादन होता था। यहाँ पर निर्मित गुड़ अंग्रेजों को काफी पसन्द था। गुड़ के खरीदार अंग्रेज हुआ करते थे। जिस पर आयुक्त गन्ना एवं चीनी उद्योग ने को पिथौरागढ़ भेजा। उन्होंने सर्वे कर बताया कि जिले में 150 से अधिक किसान अभी भी गन्ना उत्पादन करते हैं कई गाँवों में आज भी बोया जाता है गन्ना, परन्तु कागजों में दर्ज नहीं रिकार्ड जिले में अभी कनालीछीना, कमतोली, मुवानी, देवलथल, ओखलढुंगा, डीडीहाट, दिगड़ी, सुरौली, मलान व मुनस्यारी के गाँवों में गन्ना आज भी बोया जाता है परंतु यह कागजों में दर्ज नहीं है। जंगली जानवरों के चलते गन्ने का उत्पादन घटता गया।

पिथौरागढ़ में उत्पादित गन्ने के रस का परीक्षण किया जा रहा है। जंगली जानवरों से बचाव के लिए एक विशेष प्रजाति के गन्ने का बीज विभाग उपलब्ध कराने वाला है। राज्य में चीनी उत्पादन को बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसके तहत राज्य की चीनी मिलों के आधुनिकीकरण के लिए 25 करोड़ रुपये की धनराशि भी जारी की गई। गन्ने को प्रोत्साहन देने से राज्य चीनी की आवश्यकता को भी पूरी करने के साथ

निर्यात भी कर सकेगा। गन्ने की देखरेख भी आसान होती है और पर्वतीय क्षेत्रों में यह फसल जंगली पशु व पक्षियों से भी अन्य फसलों की तुलना में काफी सुरक्षित होती है। आर्गेनिक गन्ने के उत्पादन से चीनी की गुणवत्ता में भी सुधार होगा और आर्गेनिक खेती को भी प्रोत्साहन मिलेगा। किसानों को गन्ने का उचित मूल्य मिलेगा, जिससे किसानों की आर्थिकी में बड़ा सुधार हो सकेगा। वहीं, गाँवों में कृषि छोड़ रहे लोग खेती को प्रोत्साहित होंगे, जिससे पलायन भी थमेगा। जाहिर है कि यह प्रयोग न सिर्फ कृषकों की आर्थिकी की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों की पलायन जैसी मुख्य समस्या, आर्गेनिक खेती व आत्मनिर्भरता के लिहाज से भी मील का पत्थर सिद्ध होगा। कृषकों की आर्थिकी की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रें की पलायन जैसी मुख्य समस्या, आर्गेनिक खेती व आत्मनिर्भरता के लिहाज से भी मील का पत्थर सिद्ध होगा।

काठगोदाम में बनेगा हिल डिपो

हल्द्वानी। काठगोदाम में लगभग 68 करोड़ रुपये की लागत से हिल डिपो बनने जा रहा है। इसके लिये लिये टेंडर जारी हो गया है और इसी माह कार्य आरम्भ होने की सम्भावना है। तैयारी तो यह भी है कि 18 फरवरी को सीएम इसका शिलान्याश करें। लम्बे समय से काठगोदाम में हिल डिपो बनाने की कवायद चल रही थी ताकि यहाँ से पर्वतीय मार्गों पर बसों का संचालन किया जा सके। काठगोदाम में परिवहन निगम की दो हेक्टेयर भूमि में इसका निर्माण किया जायेगा।

इसके लिये 15 जनवरी को शासनादेश जारी हो चुका था। हल्द्वानी से पर्वतीय मार्गों पर जाने वाली रोडवेज की सभी बसों का संचालन यहीं से होगा। साथ ही केमू और टैक्सियों के जरिये पहाड़ से मैदान को जाने वाली सवारियां सीधे रोडवेज को मिलेंगी। इस डिपो में यात्री सुविधा के लिये वातानुकूलित विश्राम गृह, कैन्टीन, शौचालय आदि का निर्माण होगा। इसके साथ ही 40 से अधिक बसों की पार्किंग भी बनाई जाएगी। बताते चलें कि नैनीताल रीजन का सबसे बड़ा डीपो काठगोदाम डिपो है जिसके पास हाईटेक वाल्वो और एसी बसें भी हैं।

ज्योतिष की बातें - 165

12 फरवरी 2024 को शुक्र मित्रराशि मकर में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मंगल के साथ युति भी होगी। कुल मिलाकर शुक्र बलवान रहेगा। अत: अगले 25 दिन शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ व मीन राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा शेष तीन राशियों के लिए भी सामान्य फलदायक होगा।

13 फरवरी 2024 को सूर्य शत्रुराशि कुम्भ में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि से युति भी करेगा अत: सूर्य अत्यन्त निर्बल रहेगा। फिर भी अगले एक माह तक सूर्य स्वास्थ्य, सफलता आदि अपने कारक विषयों में धनु, कन्या, वृषभ व मेष राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा। अन्य राशियों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

15 फरवरी 2024 को शनि कुम्भ राशि में पश्चिम में अस्त हो जाएगा अत: अगले 30 दिन शनि से मिलने वाले शुभाशुभ फलों में न्यूनता आएगी।

बसन्त पंचमी- माघ शुक्ल पंचमी पूर्वाह्नव्यापिनी, षष्ठीयुता तिथि में बसन्त पंचमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार बुधवार 14 फरवरी 2024 को माता सरस्वती का पूजन अर्चन कर बसन्त पंचमी का पर्व मनाया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 56

गगनचुम्बी मूर्तियाँ

पहले अमरीका में सबसे ऊँचा झण्डा था। फिर आबू धाबी ने उससे भी ऊँचा झण्डा खड़ा किया। टेंशन में आकर पड़ोसी देश जार्डन ने उससे भी सात मीटर ऊँचा झण्डा गाड़ दिया। यह देखकर तुर्कमेनिस्तान ने अपनी राजधानी में 133 मीटर रिकार्ड झण्डा लगाया। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने सीधे 160 मीटर ऊँचा झण्डा लगाया। एक अन्य गरीब देश ताजिकिस्तान ने अपना पुआल-टाट बेच कर इन सबको पछाड़ते हुए 165 मीटर ऊँचा झण्डा गाढ़ दिया। सन् 2014 में सऊदी अरब ने जेद्दा में 171 मीटर ऊँचा झण्डा लगा दिया, और अपनी सत्ता कायम की। अब मिस्र ने 201 मीटर का झण्डा गाड़ दिया है।

विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति सरदार वल्लभभाई पटेल की गुजरात में स्थापित की गई। उसके बाद तो भारत में लगभग उतनी ही ऊँचाई की बहुत सी मूर्तियाँ स्थापित हो चुकी हैं और अभी उससे भी ऊँची मूर्तियाँ निर्माणाधीन हैं। यह वास्तव में एक अहंकार रूपी मनोरोग है। इतनी विशाल मूर्तियों को स्थापित करने में सैकड़ो गाँवों को विस्थापित किया जाता है, जंगल साफ किया जाता है। वहाँ की प्राकृतिक सम्पदा नष्ट हो जाती है और पर्यावरण की हानि होती है।

इन सबसे आगे दु:ख की बात तो यह है कि अब महापुरुषों की मूर्तियों के साथ ही भगवान की भी विशालकाय मूर्तियाँ भी लगाई जा रही हैं जब अग्नि पुराण आदि ग्रन्थों के अनुसार मनुष्य के आकार से अधिक बड़ी भगवान की मूर्ति वर्जित है। पुन: भगवान की मूर्ति मन्दिर में ही होती है, खुले स्थान पर नहीं। कुछ सम्प्रदायों ने, कुछ नेताओं ने अहंकार में आकर भगवान को भी महापुरुषों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। यह गलत हो रहा है, कम से कम भगवान को तो छोड़ दें, धर्म में तो हस्तक्षेप न करें।

-सरल

जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति की अपील

बागेश्वर सरस केन्द्र खाली किए जाने के आदेश पर आक्रोश

बागेश्वर। सरस केन्द्र बागेश्वर को तत्काल खाली करने के आदेश के पर जोहार सामाजिक एवं सांस्कृति समिति ने अपील जारी करने के साथ ही परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण और खण्ड विकास अधिकारी को पत्र प्रेषित किया है। जिसमें सरस केन्द्र स्थल को पुराना पड़ाव बताते हुए पूरी बात सुनने की अपील है। कहा है कि 29 जनवरी 2024 को खण्ड विकास अधिकारी बागेश्वर को प्रेषित व अध्यक्ष जोहार सांस्कृतिक एवं सामाजिक समति बनखोला को प्रतिलिपि पत्र में बिना जानाकारी दिए और बिना कारण बताए व विधिवित कार्यवाही किए बिना सरस केन्द्र खाली कराने का नोटिस दिया गया है। जबकि प्रकरण शासन प्रशासन में लम्बित है। परीक्षण करने पर कमियां दृष्टिगोचर हुई हैं। पत्र में बताया कि सचिव चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग को मार्केटिंग सेन्टर निर्माण हेतु ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण करने की अपेक्षा की थी, जिसके बारे में समिति को आज तक जानकारी नहीं दी गई है। बनखोला स्थित निर्मित चिकित्सालय के अन्तर्गत 11 मुट्ठी भूमि जो स्व.कुन्दन सिंह पुत्र स्व. सोवन सिंह के नाम रिकार्ड दर्ज है। स्व. उदय सिंह रावत समाजसेवी द्वारा भोटिया पड़ाव बनखोला बागेश्वर पड़ाव हेतु 3 नाली भूमि तथा 4 नाली अतिरिक्त भूमि पड़ाव के उपयोग के लिये पत्र दिया था। यह भी विचारणीय है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बेरीनाग में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

बेरीनाग। अटल उत्कृष्ट विद्यालय में शिक्षकों के न होने से पढ़ाई नहीं हो पा रही है। अभिभावक संघ अध्यक्ष प्रमोद उप्रेती ने बताया है कि एलटी में सामाजिक विषय और अंग्रेजी विषय के अध्यापक न होने से 310 विद्यार्थियों का पठन-पाठन प्रभावित है। शिक्षा विभाग को इस बारे में कई बार कहा जा चुका है। उन्होंने शीघ्र शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की है।

भू-माफिया पर कार्रवाई की मांग

अल्मोड़ा। उपपा ने प्रदेश में सशक्त भू कानून लागू किए जाने और भू-माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यहाँ आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष पी.सी. तिवारी ने कहा कि उत्तराखण्ड में प्राकृतिक संसाधनों, जमीनों पर गैरकानूनी रूप में कब्जा करने वालों में भ्रष्ट बेईमान नेताओं की बड़ी भूमिका है।

पिथौरागढ़ हवाई सेवा से उम्मीदें

पिथौरागढ़ से देहरादून के बीच हवाई सेवा शुरू होने के बाद और भी उम्मीदें बढ़ी हैं। सप्ताह में तीन दिन नैनी-सैनी एयरपोर्ट से जौलीग्रांट के लिये 19 सीटर विमान उड़ान भर रहा है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने और नागरिक उड्यन मंत्री ज्योर्तिरादित्य सिंधिया ने इसका शुभारम्भ किया। उम्मीद की जानी चाहिये कि नियमित सेवा का विस्तार भी होगा।

धारचूला में होगा पार्किंग स्थल

धारचूला। सीमान्त क्षेत्र धारचूला में 300 वाहनों की पार्किंग के लिये स्थल होगा। इसके लिये भूमि चयनित कर प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुकी है। बताया गया है कि पशु चिकित्सालय के समीप भूमि चयन कर 81947 लाख से पार्किंग बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

वीरांगना रघुली देवी नहीं रही

गंगोलीहाट। मणकनाली निवासी आजाद हिन्द फौज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. लछमन सिंह की धर्मपत्नी वीरांगना रघुली देवी का निधन हो गया है। 88 वर्षीय रघुली अम्मा अपने पीछे पुत्र नाराण सिंह, हरीश सिंह, राजेन्द्र सिंह सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। स्थानीय रामेश्वर घाट पर उनका अन्तिम संस्कार किया गया। तमाम सामाजिक राजनीतिक संगठनों ने उनके निधन पर शोक प्रकट किया है।

सड़क से बंचित अब चुनाव बहिष्कार करेंगे

बेरीनाग। सुकल्याड़ी बैंड से पभ्या, मन्तोली गुरेना-आगर मोटर मार्ग का निर्माण कार्य आज तक पूरा न होने से गुस्साए ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार का ऐलान किया है। पूर्व ब्लाक प्रमुख रेखा भण्डारी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।

समान नागरिक संहिता का दांव और लोकसभा चुनाव पर चर्चा

देश में समान नागरिक संहिता और नागरिक संसोधन अधिनियम (सीएए) जैसे मुद्दों को लेकर छिड़ी बहस के बीच उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उन्होंने जो वादा किया था उसे पूरा किया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में कहा था कि समान नागरिकता संहिता को पर्वतीय प्रदेश से ही मॉडल बनाकर प्रस्तुत करेंगे। कहा इसके लोकसभा चुनाव के मुद्दे वाली बात नहीं है। जनता ने भाजपा पर जो भरोसा किया है उसे सरकार पूरा करेगी। इस कानून के लिये किसी जाति, धर्म या वर्ग के व्यक्ति को घबराने की जरूरत नहीं है। यह किसी को निशाना बनाने के लिये तैयार नहीं किया जा रहा है बल्कि यह समान रूप से सभी वर्गों के लोगों के सशक्तीकरण के लिये है। इसे ऐसे भी समझ सकते है। कि मसौदे के लिये राज्य के 2.33 करोड़ लोगों ने राय दी है। यह आबादी उत्तराखण्ड के कुल परिवारों का दस प्रतिशत है। यह बहुत बड़ा जनमत है। फिलहाल लोस चुनाव से पहले यह दांव और चर्चा तो है ही।

सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की मांग

लोहाघाट। पेयजल संकट से घिरे लोहाघाट नगर वासियों ने प्रदर्शन कर सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की मांग की है।

शहरवासियों का कहना है कि वर्तमान में कई बार दूषित पानी की सप्लाई होती है और वह भी नियमित नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आगमन पर उन्हें भी सरयू लिफ्ट पेयजल योजना के लिये ज्ञापन दिया जा चुका है। यहाँ चौक बाजार में कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता शैलेन्द्र राय के नेतृत्व में लोगों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि नगर में लम्बे समय से पेयजल समस्या बनी हुई है। जल संस्थान लोगों को लोहावती नदी का दूषित पानी पिला रहा है। लम्बे समय से सरयू लिफ्ट पेयजल योजना की मांग की जा रही है। वर्ष 2013 में इसकी डीपीआर बनी थी लेकिन यह पूरा मामला ठण्डे बस्ते में डाल दिया गया। कहा कि क्षेत्रीय विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने भी सीएम के सामने यह बात रखी और उन्हें आश्वासन भी मिला था परन्तु धरातल पर आज तक कुछ नहीं हुआ है। पेयजल समस्या के छुटकारा दिलाने के लिये यह कार्य बहुत जरूरी है। प्रदर्शनकारियों में मुकेश गोरखा, ललित साह, संजय राय, जगदीश बोहरा, बबलू वर्मा थे।

होमस्टे नाम पर गेस्ट हाउस, नोटिस

अल्मोड़ा। कसारदेवी में होम स्टे के नाम पर गेस्ट हाउस चलाये जाने की सूचना पर प्रशासन ने कार्यवही शुरू कर दी है। फिलहाल 19 को नोटिस दिया जा चुका है।

बताया जा रहा है कि पर्यटकों के लिये स्वर्ग बना हुआ कसारदेवी में होम स्टे के नाम पर 19 रेस्ट हाउस का संचालन हो रहा है। पर्यटन विभाग सभी संचालकों को नोटिस जारी किया है। जिले के विभिन्न पर्यटक स्थलों में कारोबारियों ने होम स्टे का संचालन किया है ये पर्यटन विभाग में पंजीकृत हैं। विभाग ने दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत संचालित 56 होम स्टे का निरीक्षण और सत्यापन किया। जिला पर्यटन अधिकारी अमित लोहनी ने बताया कि 19 गेस्ट हाउस ऐसे मिले जो होम स्टे के नाम से पंजीकृत हैं। बताया 6 कमरों तक ही होम स्टे संचालित हो सकता है। बताया जिले की अन्य तहसीलों में भी निरीक्षण किया जायेगा।

डिमरी धार्मिक पंचायत का अधिवेशन

कर्णप्रयाग। बदरीनाथ डिमरी धार्मिक केन्द्रीय पंयायत के तत्वाधान में सिमली में आयोजित धार्मिक अधिवेशन का शुभारम्भ सांसद तीरथ सिंह रावत ने करते हुए धाम में डिमरी हक-हकूक धारियों के लिये आवासीय व्यवस्था का भरोसा दिलाया। कहा कि बदरीनाथ से डिमरी पुजारियों का गहरा सम्बन्ध है। थराली के विधायक भूपाल राम टम्टा व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश मैखुरी ने कहा कि डिमरी पंचायत ने अच्छी परम्पराओं की पहल की। इससे धार्मिक परम्पराओं को बढ़ावा मिलता है।

बदरीनाथ धाम के पुजारियों ने बदरीनाथ धाम पुजारियों, हक-हकूकधारियों की समस्याओं का समाधान न होने पर सरकार और मन्दिर समिति के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पुजारियों के अधिकारों को कुचलने का षड्यन्त्र किया जा रहा है। समस्याओं का समाधान न होने से नाराज जोशीमठ, रविग्राम, पाखी, उमट्टा, जयकण्डी, नाकोट, डिम्मर, गोपथला, राडखी, मज्याड़ी व नौली ग्रामों से डिमरी पुजारी अधिवेशन में शामिल होने आए। इस अवसर पर सिमली में शोभायात्रा भी निकाली गई।

गुंजी में बनेगा इंडोर बैडमिंटन हाल

पिथौरागढ़। चीन सीमा से लगे जिले के पहले वाइब्रेंट विलेज क्लिोज गुंजी में खेल सुविधाओं के विकास के लिये शासन ने इंडोर बैडमिंटन हाल बनाने की स्वीकृति देते हुए चार कराड़ की राशि जारी कर दी है।

सीमा क्षेत्र के गाँवों के तेजी से विकास के लिये इन गाँवों में शिक्षा, पानी, संचार, विद्युत, चिकित्सा, खेल सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ ही पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने और स्थानीय संसाधनों के आधार पर स्वरोजगार को बढ़ावा देने की कवायद भी जारी है। इसी क्रम में गुंजी में इंडोर बैडमिंटन हाल की स्वीकृति मिली है। हाल निर्माण में चार करोड़ की धनराशि खर्च होगी। पेयजल निर्माण निगम को इसके निर्माण का दायित्व दिया गया है। 18 माह में हाल तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

बाघ के आतंक से परेशान, प्रदर्शन

रामनगर। बाघ के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने संयुक्त संघर्ष समिति के नेतृत्व में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। ढेला झिरना मार्ग को जाम करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि खूंखार हो चुके जंगली जानवरों को पकड़ा जाए और ग्राम वासियों की सुरक्षा के इन्तजाम हों।

सांवल्दे पश्चिमी में ढेला झिरना मार्ग पर जाम करते हुए लोगों ने कार्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के उपनिदेशक से वार्ता की जिसपर उन्हें बाघ पकड़ने का आश्वासन दिया गया।

दरअसल बाघ के आतंक से पूरे क्षेत्र में ग्रामीण अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो चुके हैं। ऐसे में संघर्ष समिति के बैनर तले आन्दोलन का रास्ता लोगों ने अपनाया। लोगों को भड़कता देख पार्क उपनिदेशक, नायक वाइल्डलाइफ बोर्ड, तहसीलदार ने ग्रामीणों से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान ललिता रावत, तुलसी बेलवाल, तुलसी छिमवाल, मुनीष कुमार, संजय मेहता, जगदीश डोर्बी, लालमणि, अनीता गुसाई, नवी हसन आदि मौजूद थे।

सिलक्यारा सुरंग में फिर काम शुरू

उत्तरकाशी। दो सप्ताह से अधिक समय तक बन्द रहने के बाद जिले में आल वेदर सड़क मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का काम फिर शुरू हो गया है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्देश पर बड़कोट की ओर से सिलक्यारा सुरंग निर्माण के कुछ कार्य शुरू कर दिये गये हैं।

नदी में अतिक्रमण पर डीएम को नोटिस

बागेश्वर। नगर में अतिक्रमण और पुलिस लाइन के समीप कूड़ा निस्तारण का मामला बेहद चर्चा में है। सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल वनवासी ने एनजीवी भारत सरकार को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि सरयू नदी पर पर अतिक्रमण हुआ है। जिससे प्रदूषण हो रहा है। साथ ही नगर पालिका का कूड़ा भी नदी में जाने की शिकायत थी। जिस पर एनजीटी के कोरम न्यायाधीश ने इसे गम्भीरता से लेते हुए जिलाधिकारी बागेश्वर को नोटिस भेजा है।

परिक्रमा

राधा रतूड़ी प्रदेश की पहली महिला सीएस

देहरादून। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीमती राधा रतूड़ी प्रदेश की पहली महिला मुख्य सचिव बनी। 1988 बैच की रतूड़ी को पूर्व मुख्य सचिव डॉ. एसएस सन्धू ने कार्यभारत सौंपा। राधा रतूड़ी अपर मुख्य सचिव पद पर थीं और धामी सरकार से उनका तालमेल बेहतर है।

मंडी समिति में खुलेगा किसान बाजार

रामनगर। सरकार की पहल पर किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के साथ ही उनकी उपज को बेचने के लिये पर्याप्त स्थान दिया जाना चाहिये। इसके लिये रामनगर में किसान बाजार खोला जाएगा। कृषि उत्पादन मण्डी समिति के अधिकारियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। समिति के सचिव सहील अहमद के अनुसार रामनगर मण्डी समिति के बाहर जो अतिक्रमण किया गया है उसे हटाया जाएगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'शक्ति प्रेस'

प्रथम पृष्ठ का शेष

पड़ने पर अन्य कमरे भी प्रेस में जुड़ गये और छापेखाने का कार्य विस्तार पा गया। तब हमारा पूरा परिवार भी यहाँ रहता था। रूलिंग मशीन की सरसराहट के बीच शानदार बाइडिंग का कार्य, प्रिंटिंग कार्य, बाद के दिनों में शादी कार्ड की छपाई भी होती। उस छोटे आकार की पुस्तकें जैसे भजन संग्रह, होली संग्रह इत्यादि भी छपते रहे। यहीं 30 अक्टूबर 1978 में साप्ताहिक पिघलता हिमालय का प्रकाशन भी आरम्भ हुआ। 19 दिसम्बी 1979 में इसे दैनिक समाचार पत्र का रूप दे दिया गया था। कुछ अड़चनों के बाद 1 दिसम्बर 1986 को पुनः यहीं से पिघलता हिमालय जारी हुआ, जिसका प्रकाशन पता पिता आनन्द बल्लभ उप्रेती के निधन के बाद 2013 में जे.के.पुरम् सेक्टर डी, मुखानी हल्द्वानी में कर दिया गया था और प्रयास था कि 'शक्ति प्रेस' को भी पूरी तरह इसी जगह लाया जाए। 2018 में पिघलता हिमालय की सम्पादक और उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी माता जी श्रीमती कमला उप्रेती के निधन के बाद से लगातार यह विचार था कि अपने प्रेस को भी वहीं स्थापित करें जहाँ परिवार रहने लगा है लेकिन जिस जगह वर्षों की यादें जुड़ी हों उसे एकदम छोड़ना शायद हमारे लिये भी कठिन था। अन्ततः 27 जनवरी 2024 को हमारा 'शक्ति प्रेस' जे.के.पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी हल्द्वानी में शिफ्ट होना परिवार को सुखद लगा है। और इस बीच हमें कई नये अनुभव और सीख मिली कि कौन हमारे कितने करीब है। ऐशबाग मोहल्ले के पुराने पड़ोसी तो सब पहले ही जा चुके थे और जो दो-चार परिवार मकान मालिक की हैसियत से रहते हैं, उनकी इच्छा भी यही रही है कि अब समेट लिया जाए। समेटने की इस होड़ में वह भी अकेले हो चुके हैं। फिलहाल हम खुशनुमा माहौल में ऐसबाग से विदा हो गये। यह जरूरी भी था क्योंकि हल्द्वानी शहर की घिचपिच के बीच जिस प्रकार से सड़क चौड़ीकरण इत्यादि हो रहा है उसमें बदलाव तो होना ही है। ऐसे में हमेशा से पूरे सम्मान के साथ मान्यता रखने वाला 'शक्ति प्रेस' भी अच्छी जगह शिफ्ट हो जाए, खुशी की बात है।

बात पुरानी है कालाढूंगी रोड स्थित ऐशबाग मोहल्ला जिसमें हमारा प्रेस था, तब शहर में ही बहुत कम वाहन हुआ करते थे। रोड के दोनों ओर आम के बड़े-बड़े पेड़ सुन्दरता बढ़ाते थे। प्रेस से थोड़ा आगे एक बड़ा सा नाला हुआ करता था, जो घिर चुका है, इसी से होकर नालियों का पानी-कचरा निकासी होता था। वर्तमान की कालाढूंगी रोड बरसात में भर जाती है। प्रेस के सामने ही हल्द्वानी फर्नीचर मार्ट पुराने प्रतिष्ठानों में से रहा है। इस मोहल्ले की कई यादों को पिता जी ने अपनी कृति 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' में लिखा है।

पुराने हल्द्वानी में जब मुख्य मार्ग सिंगल रोड के थे, सड़क से लगा हमारा मोहल्ला ऐशबाग कुछ परिवारों का गुलदस्ता था। घरों में ताले नहीं लगते थे, 'शक्ति प्रेस' में ताले कभी नहीं लगे क्योंकि दिन-रात गपोड़ियों, आन्दोलन कारियों के अलावा विचारवान लोगों की बैठकें और प्रिंटिंग का कार्य होता था। पड़े लिखे बेरोजगार भी इसे अपने संरक्षण का अड्डा मानते रहे हैं। कई ऐसी लड़ाईयां भी यहीं से शुरू हुई जिन्हें सुनकर आश्चर्य हो सकता है। एकदम शान्त रहने वाले पिता जी गलत पर झल्ला जाते। फिर चाहे कोई नेता या कोई अधिकारी हो, वह अपना विरोध दर्ज करते। समय बदलता रहा और सड़क से बहुत ऊपर होने वाले मकान गड्ढों में धंसते दिखाई देने लगे। हमारा घर/प्रेस भी सड़क से एक सीढ़ी नीचे हो गया था और बरसात में पानी भरने लगता था। पहले समय में पूरा मोहल्ला गर्मी के दिनों में खुले में सोता था। अपनी-अपनी चारपाई में मच्छरदानी लगाकर सारे परिवार सड़क किनारे ही दिखाई देते। सन् 2000 के बाद से थोड़ा बदलावा आया और मोहल्ले में पुराने परिवार दूसरे स्थानों पर अपना निवास स्थान बनाकर जा चुके थे। 'शक्ति प्रेस' के बाहर पाखड़ का पेड़ लग चुका था, जिसकी आड़ में बैठने वाले कम हो गये। सड़क भी सिंगल से चौड़ी होकर इसमें डिवाइडर बन गया। याद आ रहा है कि पुराने समय में संचार व्यवस्था भी सीमित थी। 'शक्ति प्रेस' में डायल करने वाला पुराना फोन था। '193' नम्बर के इस फोन पर सुख-दुःख भरी सूचनाओं के लिये दूर-दूर से लोग आया करते थे। कई लोगों ने अपने सगे-सम्बन्धियों-मित्रों को इस फोन नम्बर को दिया था ताकि विशेष स्थिति में फोन कर जानकारी मिल सके। रामनगर, काशीपुर, बाजपुर को जाने वाली बसों का प्राइवेट बस अड्डा भी इस प्रेस के पास खुला तो कालाढूंगी चकलुवा इत्यादि से लोग प्रचलन के हिसाब से शादी कार्ड छपवाने यहीं आते थे। कुछ वर्षों के अन्तराल में छपाई के तरीके बदले और छापेखानों में मशीनरी का तरीका भी बदलने लगा। तब स्क्रीन प्रिंटिंग का कार्य भी शक्ति प्रेस में होने लगा और पहली बार कार्डों में ऐपण के डिजाइन बनाए गए। इस प्रकार के प्रयोग पिता जी किया करते थे, इन सबके बीच संगीत सभा का होना भी कम आश्चर्य नहीं था। हम भाई-बहन भी अपने बचपन से उबर कर युवा अवस्था में थे और खुला आसमान बना 'शक्ति प्रेस' हमारा घर था। इसी में पढ़ाई और संगीत का रियाज करना बहुतों को आश्चर्य ही लगता होगा। पुराने जमाने के छोटे-छोटे कमरे वाले मकान में रेलगाड़ी जैसा हमारा आवास हमें संरक्षित करता रहा। हमें ही नहीं, उन आन्दोलनकारियों को भी पनाह मिली जिनकी तलाश होती थी। कई आन्दोलनों में जब पकड़-धकड़ होती तो अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ से तक प्रदर्शन करने वाले यहाँ आ जाते। सीमान्त क्षेत्र से लेकर मैदान तक के व्यापारियों के मिलन का अड्डा यह बन गया। जम्बू-गन्द्रायणी से लेकर रिंगाल तक के कारोबारियों का पता शक्ति प्रेस था, इनकी व्यापारिक बैठक धर्मशाला में होती थी क्योंकि बिजनौर इत्यादि जगह से व्यापारी धर्मशालाओं में आकर रुकते थे। इसी प्रकार गंगावली क्षेत्र से आने वालों के लिये हमारा घर ही मुख्य केन्द्र बना हुआ था। छोटे से शहर में तब लोग अपनों को तलाशते हुए मिलते-जुलते थे। प्रेम-व्यहार के उस समय में सभी जगह यह रिवाज रहा है। आज भी

सन् २०२२ का फोटो जिसमें पास-पड़ोस टूट चुका था और कालाढूंगी रोड में डिवाइडर भी बन गया

पुराने परिवार अपने रिवाजों को बनाए हुए हैं। शहर होने का कतई यह मतलब नहीं है कि मेहमानों को होटल में रुकवाया जाए या मेहमान चुपचाप होटलों में रुककर चले जाएं। वर्तमान में सुविधाओं को देखते हुए बहुत बदलाव हुआ है और हल्द्वानी जैसा सुन्दर शहर भी एकदम बदलने जा रहा है। इसमें पहाड़ और मैदान से आकर बसने वालों की भीड़ ने इतना दबाव बना दिया है कि मुख्य शहर में पैदल चलना भी दिक्कत भरा होता जा रहा है। यही सब देखते हुए सड़क चौड़ीकरण करण सहित अन्य तोड़फोड़ होनी ही है।

जिस सिंगल सड़क पर कोई भी व्यक्ति उतर कर किसी के घर या दुकान पर जा सकता था, उस सड़क पर अब दिनभर दौड़ रहे वाहनों व डिवाइडर के कारण कोई रुकना पसन्द नहीं करता है। बदलते शहर में आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र जुड़ चुके हैं और खेत-खलिहानों का कार्य बहुत कम हो चुका है। ऐसे में अपराधिक गतिविधियां भी बहुत तेजी से बड़ी हैं। बाजारबाद और सोशल मीडिया के प्रभाव में नई पीढ़ी को हल्द्वानी शहर की पुरानी तहजीब का पता ही नहीं है जब इस गुलस्दते में होली-रामलीला से लेकर हर रंग था और एक-दूसरे की मदद को लोग आगे आते थे। दानपुण्य करते लोगों के अलावा गर्मी में प्याऊ अपनी ओर से लगवाने वाले भी थे। वर्तमान का हल्द्वानी दिखावे में डूबा है। कुछ दिनों के अन्तराल में कोई न कोई महोत्सव या जुलूस होने लगे हैं। चहक रहे युवाओं को इससे कोई मतलब नहीं की क्या हो रहा है। सोशल मीडिया के लिये फोटो-रील उनका लक्ष्य लगता है।

'शक्ति प्रेस' में बैठकर स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती द्वारा लिखी गई पुस्तक 'हल्द्वानी : स्मृतियों के झरोखे से' हमेशा दस्तावेज के रूप में कार्य करेगी। इस शहर के बनने से लेकर वर्तमान तक में कौन लोग किन-किन स्थानों से आए और किस तरह से एक सुसज्जित शहर बसासत हुई। किस समय में कौन कितना प्रभावशाली था और कौन नगर पालिका चैयरमैन, कौन बड़ा व्यापारी था और कौन समाजसेवी, सबकुछ इस कृति में है। यही कारण है कि इसकी मांग भी लगातार बढ़ रही है। जब शहर का स्वरूप ही बदलने जा रहा हो तो यह जानना और भी जरूरी हो जाता है कि आखिर किसी शहर में दबाव के बाद किस प्रकार से बदलाव होता है। लिखने के लिये बहुत है लेकिन इतना भर कहना है कि प्रेम भाईचारा के जो पुराने दिन थे, वह सभी स्थानों पर बना रहे।

शक्ति प्रेस का एक कक्ष

ट्रेडिल की एक मशीन

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बसन्त पंचमी की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

मोहन सिंह
धर्मशक्तू
5/17 जोहार नगर
भोटिया पड़ाव,
हल्द्वानी

भूपाल सिंह
बरफाल
जोहार कालोनी,
पुलिस लाइन
पिथौरागढ़

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग
मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत
शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)